शनि देव जी की आरती / Shani Dev Jee Kee Aaratee

ओम जय जय शनि महाराज, स्वामी जय जय शनि महाराज,

कृपा करो हम दीन रंक पर, दुःख हरियो प्रभु आज । ओम..।

सूरज के तुम बालक होकर जग में बड़े बलवान । स्वामी..।

सब देवताओं में तुम्हारा प्रथम मान हे आज ।। ओम..।

विक्रमराज को हुआ घमंड फिर अपने श्रेष्ठन का । स्वामी..।

चकनाचूर किया बुद्धी को हिला दिया सरताज ।। ओम..।

प्रभु राम और पांडव जी को भेज दिया वनवास । स्वामी..।

कृपा होय जब स्वामी तुम्हारी बचाई उनकी लाज ।। ओम..।

शूर सत राजा हरिशचन्द्र का बेच दिया परिवार । स्वामी..।

पात्र हुए जब सत परिक्षा में देकर धन और राज ।। ओम..।

गुरूनाथ को शिक्षा फाँसी की मन के गरबन को । स्वामी..।

होश में लाया सवा कलाक में फेरत निगाह आज ।। ओम.. ।

माखन चोर वो कृष्ण कन्हाई गैयन के रखवार । स्वामी..।

कलंक माथे का धोया उनका खड़े रूप विराज ।। ओम.. ।

देखी लीला प्रभु आया चक्कर तन को अब ना सताव । स्वामी..।

माया बंधन से मुक्त कर दो हमे भव सागर ज्ञानी राज ।। ओम..।

मै हूँ दीन अनाथ अज्ञानी भूल भई हमसे । स्वामी ...

क्षमा शांती दो नारायण को प्रणाम कर लो महाराज ॥ ओम.. ।

ओम जय जय शनि महाराज, स्वामी जय जय शनि महाराज,

कृपा करो हम दीन रंक पर दुःख हरियो प्रभु आज ।

सभी आरती के पीडीएफ कहीं भी डाउनलोड

atozpe.in